हमारी पोथी

भाग – 2

प्राइमर

पाठ्य पुस्तक लेखन एवं सम्पादन समिति

विषय-सूची

क्या ? कहाँ ?

क्या ? | कहाँ ?

पाठ

दो शब्द

मर्क़ज़ी दर्सगाह रामपुर के भूतपूर्व नाज़िम (व्यवस्थापक) जनाब अफ़ज़ल हुसैन साहब ने लगभग आधी शताब्दी पहले भारतीय मुसलमानों की नई पीढ़ी की आरम्भिक कक्षाओं के लिए पाठ्य पुस्तकों की एक अत्यन्त उपयोगी श्रृंखला तैयार की थी, जिसमें बच्चों के मनोविज्ञान, मानसिक स्तर, उम्र, रुचि और सामाजिक अपेक्षाओं का पूरा-पूरा ध्यान रखा गया था। अल्लाह की कृपा से ये पुस्तकें पूरे देश में लोकप्रिय हुईं और इन पुस्तकों ने छात्र-छात्राओं के मन-मस्तिष्क और विचारों को इस्लामी रंग में रंगने का बहुत ही उल्लेखनीय कार्य किया। वर्तमान श्रृंखला में उनके द्वारा निर्दिष्ट पथ पर चलने का पूरा-पूरा प्रयास किया गया है। अल्लाह तआला मरहूम जनाब अफ़ज़ल हुसैन साहब की सेवा को स्वीकार करके उनपर अपनी कृपा-वर्षा करे। आमीन !

पाठ्य पुस्तकों का पुनरीक्षण, संशोधन और नवीनीकरण एक सतत्, लाभदायक और अनिवार्य प्रक्रिया है। हमने भी अपनी सभी पाठ्य पुस्तकों को और अधिक उपयोगी तथा समयानुकूल बनाने के लिए इन्हें नये सिरे से तैयार करने की योजना बनाई है।

भाषा बच्चों के व्यक्तित्व के विकास का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। भाषा की पाठ्य पुस्तकों की तैयारी के दौरान हमने इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि भाषा-बोध के लिए ऐसी पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए, जिससे बच्चों में भाषा की सभी आधारभूत कुशलताएँ — सुनने, बोलने, पढ़ने, लिखने, चिन्तन-मनन और अध्ययन की क्षमताएँ— विकसित हो जाएँ तथा उनमें अतिरिक्त अध्ययन के प्रति रुचि बढ़े। हमने यह प्रयास भी किया है कि जीवन के अनुकूल विषय-वस्तु प्रस्तुत की जाए जिससे छात्र-छात्राओं के अन्दर वांछित जीवन-मूल्यों, मानवीय सद्‌गुणों के बीज अंकुरित, पल्लवित, पुष्पित और फलित हों और उनका सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके।

पाठ्य पुस्तकों की तैयारी के समय हमने बच्चों की उम्र, उनकी अपेक्षा तथा आवश्यकता, अभिरुचि, मनोविज्ञान और बौद्धिक क्षमता का भी पूरा-पूरा ध्यान रखा है। हमने अपनी पाठ्य पुस्तकों में ऐसी सामग्री प्रस्तुत करने की कोशिश की है, जिससे बच्चों को अपने परिवेश और वातावरण के प्रति सचेत तथा जागरूक बनाया जा सके, उनके अन्दर इससे सम्बन्धित ज्ञान प्राप्त करने के प्रति अभिरुचि उत्पन्न हो और उनके कार्य-कलापों में यथोचित परिवर्तन हो। साथ ही, ये चीज़ें उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत भी करा सकें।

प्रत्येक पाठ के अंत में पर्याप्त अभ्यास दिए गए हैं, जो छात्र-छात्रओं में न केवल भाषा-बोध, पाठ्य सामग्री को समझने और स्मरण रखने में सहायक होंगे बल्कि उनमें चिन्तन मनन की क्षमता और व्यक्तिगत रूप से अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करेंगे। ये अभ्यास बच्चों के ज्ञान में उत्तरोत्तर वृद्धि और विकास के साधन तो सिद्ध होंगे ही, उनकी मानसिक और शैक्षणिक क्षमता के विकास में भी सहायक होंगे।

प्रस्तुत पुस्तक में हिन्दी की पूरी वर्णमाला को बड़े ही रोचक एवं मनोरंजक ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। पाठों में क्रमशः वर्ण, बिना मात्रावाले शब्द और बहु-प्रयुक्त मात्राओंवाले शब्द लिए गए हैं। दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले छोटे-छोटे शब्दों और वाक्यों को बच्चे आसानी से समझ लेते हैं। इसलिए ऐसे ही शब्दों और वाक्यों से पाठ तैयार किए गए हैं।

एक महान शिक्षाविद् ने कहा है कि एक बार लिखना तीन बार पढ़ने के बराबर है। अतः लेखन अभ्यास पर भी पर्याप्त सामग्री दी गई है। प्रत्येक नए वर्ण को लिखने की सुगम एवं स्वाभाविक विधि बताई गई है और वर्णों को क्रमिक चरणों में लिखकर लिखने की प्रक्रिया को पूरी तरह स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

शिक्षकों से अनुरोध है कि वे बच्चों को क्रमिक चरणों के द्वारा वर्णों और शब्दों के लिखने की विधि बताएँ और अपने सामने बच्चों से स्लेट, कॉपी या ब्लैकबोर्ड पर अपेक्षित क्रमिक चरणों में लिखने का अभ्यास करवाएँ। इस कार्य में प्रत्येक बच्चे का व्यक्तिगत मार्गदर्शन अनिवार्य है।

हम अपने उन सभी मित्रों और उन सभी महानुभावों के आभारी हैं, जिन्होंने पुस्तक की तैयारी के क्रम में विभिन्न प्रकार से सहयोग दिया है। हम जनाब शौकत अली 'मरहूम' बी०ए०,एल०टी०, के भी आभारी हैं। उनके द्वारा लिखित पुस्तक 'हमारी पोथी प्राइमर' से मार्गदर्शन प्राप्त किया गया है।

अल्लाह तआला की कृपा-छाया सदैव उन महानुभावों को सुख-शान्ति प्रदान करती रहे।

हमने इस पुस्तक को यथासम्भव सुन्दर और आकर्षक रूप में प्रस्तुत करके अधिक से अधिक उपयोगी और लाभदायक बनाने का प्रयास किया है। हम अपने प्रयास में किस हद तक सफल हो सके है, इसका वास्तविक मूल्यांकन तो शिक्षकगण, अभिभावक और पढ़ने-पढ़ाने में रुचि रखनेवाले ज्ञानीजन के बहुमूल्य सुझावों, विचारों और टिप्पणियों से ही हो सकेगा।

— मुहम्मद अशफ़ाक़ अहमद

21-07-2005

निगराँ (निरीक्षक)

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ

ए ऐ ओ औ अं अः

ऋ

पढ़ो :

इ	ए	उ	आ	ई	औ
ऐ	ऊ	इ	ओ	ऐ	अः
अ	ऋ	अः	उ	औ	आ
ई	ओ	अं	ए	ऊ	अ

व्यंजन

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	

पाठ-1

घ र न ल

घ + र = घर

न + ल = नल

जोड़कर पढ़ो :

घ + र = घर न + ल = नल
घ र घर न ल नल
घ + न = घन न + र = नर
घ न घन न र नर

पढ़ो :

घ र न ल घ न न र
घर नल घन नर

लिखो :

घ घ घ घ न न न न
र र र र र ल ल ल ल
घ घ न न र र र ल ल

पाठ-2

ब स फ
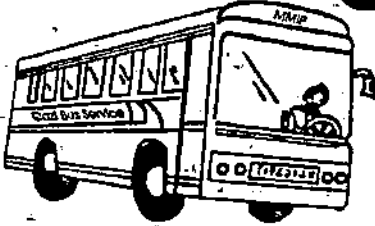
ब + स = बस
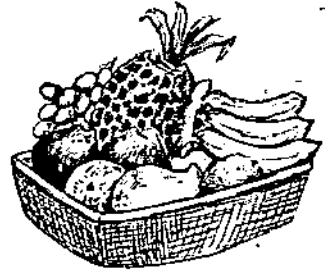
फ + ल = फल

जोड़कर पढ़ो :

ब + स = बस   फ + ल = फल

ब   स   बस   फ   ल   फल

स   ब   सब   ल   ब   लब

पढ़ो :

ब   स   फ   ल   घ   र

रब   रस   फल   लब   घन   नर

बस   सब   नल   बल   घर   रब

लिखो :

ब ब ब ब ब ब ब ब ब

स स स स स स स स स

फ फ फ फ फ फ फ फ

पाठ-3
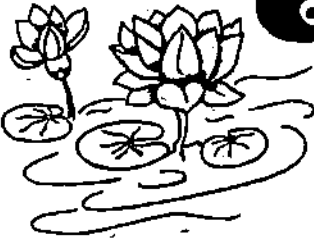
क + म + ल = कमल
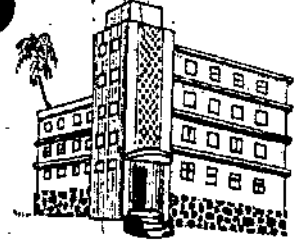
भ + व + न = भवन

पढ़ो :

कल बल कर कम कब बस

मन वन मर रस रब फल

कमल नरम सफल नमन सरल

बरस करम नमक भनक नरक

सबल सरक सरस भवन कमर

लिखो :

क क क क क क

म म म म म म

भ भ भ भ भ भ

व व व व व व

पाठ-4

ग ट ज श
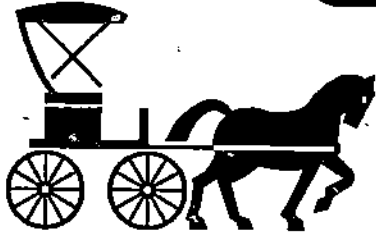
ट+म+ट+म = टमटम
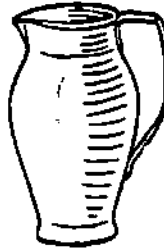
ज+ग = जग

श+ल+ज+म = शलजम

पढ़ो :

जग नग मग फन जन मन

नमक लगन मटर कमल लटक नगर

गगन जगमग शलजम मलमल टमटम सरकस

लिखो :

ग ग ग ग ग ट ट ट ट ट

ज ज ज ज ज ज ज ज

श श श श श श श श

जोड़कर लिखो :

न+म+क = ... श+ल+ज+म = ...

म+ट+र = ... स+र+क+स = ...

पाठ-5

अ आ

'आ' की मात्रा = ा

अ + न + ा + र = अनार
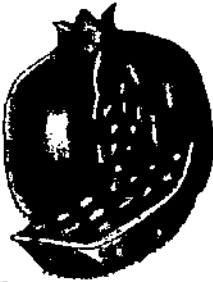
आ + म = आम

जोड़कर पढ़ो :

क+ा+र	=	कार	न+ा+म	=	नाम
ब+ा+ल	=	बाल	ज+ल+ा	=	जला
म+ा+ल+ा	=	माला	ब+ा+ज+ा	=	बाजा
स+ल+ा+म	=	सलाम	ग+ा+ज+र	=	गाजर

पढ़ो :

अब अमन अरब असर अनाज
आग आन आस काम जान
शाम बना आला आना मामा
नाना बाबा जाना मकान आसरा
सागर आलम अपना अकाल जानवर

लिखो :

अ अ अ अ अ

अ आ आ आ आ आ

पाठ-6

इ च ड त य ड़

'इ' की मात्रा = ि

ि + क + त + ा + ब
किताब

ि + च + ि + ड़ + य + ा = चिड़िया

ड + ि + ल + य + ा
डलिया

जोड़कर पढ़ो :

ि + न + ब = निब   ि + क + न = किन

ि + स + र = सिर   ि + क + स = किस

पढ़ो :

इन	इनाम	इशारा	इसलाम	चना	चार	चावल	चमचा
डर	डाल	डाला	डिबिया	तवा	ताला	ताया	तलवार
यार	गाय	चाय	आया	बड़ा	घड़ा	सड़क	लड़का
आलिम	शिकार	तकिया	किताब	निशान	गिलास	मालिक	किशमिश

लिखो :

ड ड ड ड़ ड़ ड़ ड़ ड़ ड़ ड़

च च च च च च च च

त त त त य य य य य

पाठ-7

ई ख छ थ ह

'ई' की मात्रा = ी

ई + ख = ईख
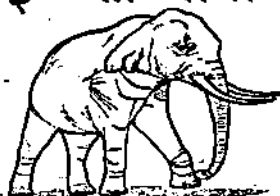
ह + ा + थ + ी = हाथी

छ + त + र + ी = छतरी

जोड़कर पढ़ो :

न + ी + म = नीम   ख + ी + र = खीर   छ + ड़ + ी = छड़ी

ड + ा + ल + ी = डाली   क + ल + ी = कली   छ + ल + न + ी = छलनी

पढ़ो :

हल थल रथ छत हाथ
हार थाल खाल लाख साथ
छाता माथा खाना छाया नहर
रहम बछड़ा छानना थरमस रहमान

ईख ईरान ईद ईसा ईमान
तीर चील कील छड़ी फली छीट
थाली गाड़ी खीरा हीरा चीनी सीटी
छतरी हलीम छलनी रहीम लड़की

लिखो :

पाठ-8

उ प

'उ' की मात्रा = ु

उ + स् + त + र + ा = उस्तरा

प + ु + ल = पुल

जोड़कर पढ़ो :

स + ु + न = सुन　　त + ु + म = तुम

च + ु + प = चुप　　क + ु + छ = कुछ
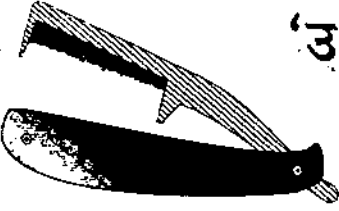
स + ु + ब + ह = सुबह　　च + त + ु + र = चतुर

पढ़ो :

उन	उस	उग	उड़	पान	पुल	सुख	बुन	गुड़	खुल
पारा	उछल	पापड़	पचास	पटना	पुकार	पुलाव	साबुन	चुनाव	गुलाब
पालक	पायल	पहाड़	उड़ना	उजाला	पुराना	गुनाह	बुलबुल	फुटबाल	

बात सुन ।　चुप रह ।　जामुन खा ।　पुल पर चल ।

गुलाब ला ।　साबुन उठा ।　बुलबुल उड़ी ।　रामपुर जा ।

लिखो :

ु उ उ उ उ उ उ उ उ उ

प प प प प प प प प प

पाठ-9

द ध ष

द + व + ा + त = दवात
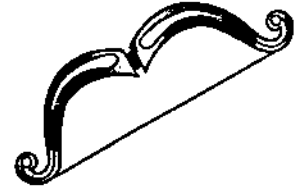
ध + न + ु + ष = धनुष

पढ़ो :

दस दल दम पद बदन मदद चादर

दया दादा छाना दवा दान दही दरी

धन धारा धरती धनी धनिया धमक धनक

धागा धड़कन आधा बादल भाषा विष विषय

मदद कर। दाल पका। दरी बिछा।

खाना खा। मदीना चल। दवा पिला।

लिखो :

ध ध ध ध ध ध ध ध

द द द द द द द द द द

ष ष ष ष ष ष ष ष

पाठ-10

क्ष ण

प + क्ष + ी = पक्षी
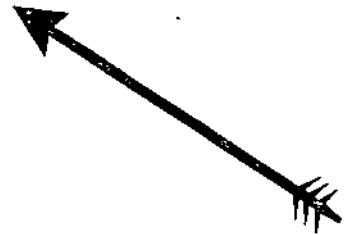
व + ा + ण = वाण

पढ़ो :

पक्ष क्षण कक्षा रक्षा क्षमा
शिक्षा भिक्षा सुरक्षा परीक्षा अक्षर
रण कण गण गुण वाणी
शरण चरण किरण भाषण दक्षिण

रक्षा कर। वाण चला। गुण गा।
कक्षा जा। क्षमा कर। नबी की शिक्षा पर चल।

लिखो :

क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष क्ष

ण ण ण ण ण

'क्ष' या 'ण' से शब्द पूरा करो :

भाष......, अ......र, शर......, चर......, ...मा, क्ष......

पाठ-11

ढ ढ़
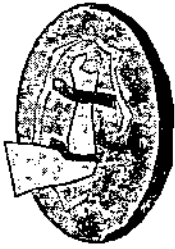
ढ + ा + ल=ढाल
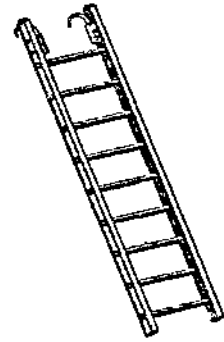
स+ ि + ढ़ + ी=सीढ़ी

पढ़ो :

ढक ढाक ढाल ढाका ढल
ढाई ढील बाढ़ ढाई ढलाई
चढ़ बढ़ गढ़ पढ़ मढ़
सीढ़ी कढ़ाई चढ़ाई पढ़ाई बढ़िया

सीढ़ी लगा । छत पर चढ़ । पढ़ना सीख ।
किताब पढ़ । बढ़िया लिख । चढ़ाई चढ़ ।
बरतन ढक । बाढ़ आई । ढाल रख ।

लिखो :

पाठ-12

ऊ झ

'ऊ' की मात्रा = ू

ऊ + न = ऊन

झ + ू + ल + ा = झूला

जोड़कर पढ़ो :

फ + ू + ल = फूल   ज + ू + त + ा = जूता

झ + ू + ल + ा = झूला   स + ू + र + ज = सूरज
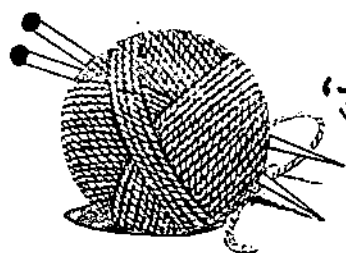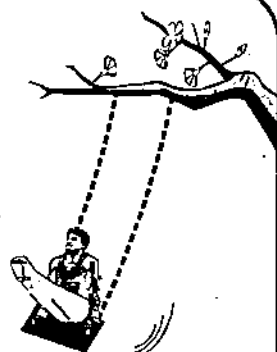
म + ू + र + त = मूरत   प + ू + र + ब = पूरब

पढ़ो :

ऊन झाग झाड़ ऊपर झूल सूद जून भूख

जूता ऊसर झलक झरना चूहा झूला आलू भालू

झाड़ना झगड़ा झटपट रसूल मसूर कपूर बबलू झूमर

फूल ला ।   झगड़ा मत कर ।

झूला झूल ।   खजूर खा ।

मूरत न पूज ।   रसूल पर ईमान रख।

लिखो :

पाठ-13

'ए' की मात्रा = े

ए + ड़ + ी = एड़ी

ए + क = एक

ठ + े + ल + ा = ठेला

जोड़कर पढ़ो :

प + े + ड़ = पेड़ द + े + र = देर

र + े + ल = रेल ख + े + ल = खेल
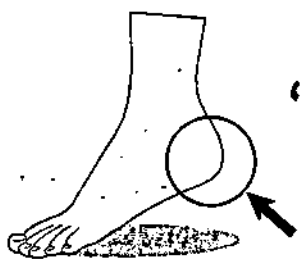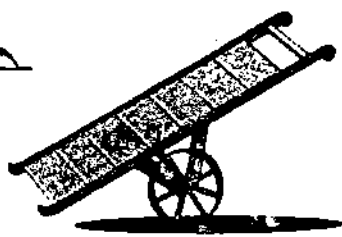
क + े + ल + ा = केला ठ + े + ल + ा = ठेला

पढ़ो :

एक उठ नए गए आए लाए पाठ आठ काठ ठहर एकता पाठक

खेत रेत बेर शेर जेल तेल सेठ मेला पेठा सेवा मेवा पेड़ा मेरठ
करेला सपेरा सवेरा ठठेरा अकेले केवल मेहमान मेहनत सेवक

सर पर तेल लगा । केलेवाले केले ला ।
मीठे-मीठे सेब खा । सड़े गले मत देना ।

लिखो :

पाठ-14

'ऐ' की मात्रा = ै

ऐ + न + क = ऐनक

थ + ै + ल = थैला

जोड़कर पढ़ो :

ब + ै + ल = बैल   स + ै + र = सैर

च + ै + न = चैन   प + ै + र = पैर
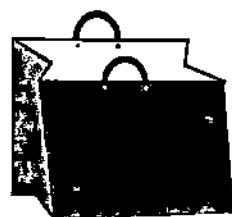
प + ै + स + ा = पैसा   क + ै + स + ा = कैसा

पढ़ो :

ऐब ऐसा मैल तैर बैठ कैसा

पैसा फैला जैसा वैसा मैना फैशन

थैला मैला तैराक बैटरी सैलाब हैरान

तैयार बेचैन सैनिक बैलगाड़ी नैनीताल

सुबह उठ, सैर कर।   पैर पर मैल है।

किसी से बैर मत रख।   जैसा करेगा, वैसा भरेगा।

लिखो :

पाठ-15
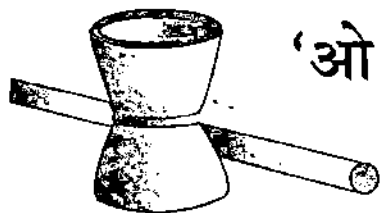
'ओ' की मात्रा = ो

ओ + ख + ल + ी = ओखली

ल + ो + ट + ा = लोटा

जोड़कर पढ़ो :

क + ो + ट = कोट न + ो + ट = नोट

म + ो + र = मोर ड + ो + ल = डोल

ब + ो + त + ल = बोतल म + ो + ट + र = मोटर

पढ़ो :

ओट ओस ओर मोर शोर चोर

गोल बोल छोटा मोटा काटो तोता

सोना लोहा थोड़ा घोड़ा बोलो खोलो

चलो रखो चखो कोयल समोसा झोला

हमेशा सच बोलो । जो कहो सच कहो ।

मीठे बोल बोलो । चोरी मत करो ।

रब से डरो । शोर मत करो ।

लिखो :

ऽउउअआओ ओ ओ

पाठ-16

औ

'औ' की मात्रा = ौ

औ + ज़ + ा + र = औज़ार

स + र + ौ + त + ा = सरौता

जोड़कर पढ़ो :

प+ौ+ध+ा= पौधा   न+ौ+क+ा= नौका
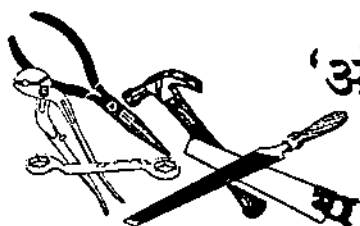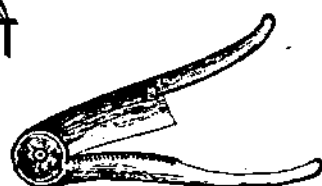
क+ौ+आ= कौआ   च+ौ+ड़+ा= चौड़ा

पढ़ो:

और	कौन	लौट	औरत	औज़ार
सौदा	मौत	दौड़ा	कौआ	मौसम
चौकी	नौका	हथौड़ी	पकौड़ी	खिलौना
नौकर	बिछौना	सरौता	लौकी	मौसी

मौसम सुहाना है।   चौकी ला।

नौकर अब लौटा।   वह चौकी गया।

सरौते से डली काटो।   लौकी ला।

लिखो:

औ औ औ

शिक्षकों को निर्देश : 'औज़ार' शब्द के 'ज़' अक्षर का शुद्ध उच्चारण बताएँ। विस्तार से आगे बताया जाएगा।

पाठ-17
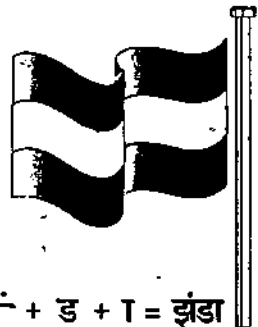
'अं' की मात्रा = ं

अं + ं + ग + ू + र = अंगूर

झ + ं + ड + ा = झंडा

जोड़कर पढ़ो :

प + ं + ख = पंख   अं + क = अंक
र + ं + ग = रंग   अं + ग = अंग
झ + ं + ड + ा = झंडा   क + ं + घ + ा = कंघा

पढ़ो:

अंश अंक अंडा अंकुश अंगूर अंकुर
तंग जंग संग तरंग पंखा डंडा
दंग अंधा ठंडा पतंग पलंग रंगीन

अंगूर खा। कंघा कर। पंखा चला।
तंग मत कर। डंडा रख। मेरे संग चल।

लिखो:

पाठ-18

अः ऋ
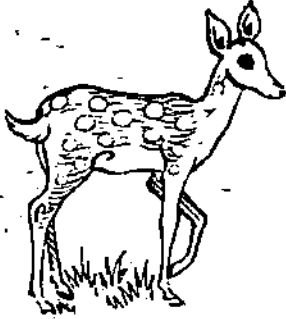
'अः' की मात्रा = ः
'ऋ' की मात्रा = ृ

म + ृ + ग = मृग

व + ृ + क्ष = वृक्ष

छ + ः = छः ग + ृ = गृ
न + ः = नः म + ृ = मृ
त + ः = तः व + ृ = वृ

पढ़ो:

छः अतः पुनः प्रातः प्रायः नमः

कृपा गृह मृग कृपा
कृषि अमृत ऋषि ऋतु

प्रातः उठ, वुज़ू कर। सब पर कृपा कर।
पाठ पुनः याद कर। किसी से घृणा मत कर।

लिखो:

ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

पाठ-19

चन्द्रबिन्दु = (ँ)
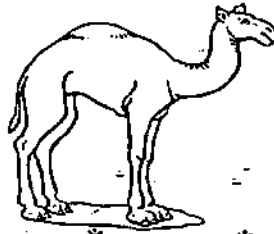
आ + ँ + ख = आँख

ऊ + ँ + ट = ऊँट

च + ा + ँ + द = चाँद

जोड़कर पढ़ो :

आ + ँ + त = आँत   आ + ँ + ख = आँख
द + ा + ँ + त = दाँत   प + ा + ँ + च = पाँच
ब + ा + ँ + स = बाँस   स + ा + ँ + प = साँप

पढ़ो :

माँ हाँ गाँव काँच जाँच आँच आँसू आँगन
मुँह यहाँ कहाँ वहाँ जहाँ पहुँच पूँछ कुआँ
चिड़ियाँ चाँदनी कलियाँ गाँधी आऊँगा धुआँ

पढ़ो और लिखो :

मैं वहाँ जाऊँगा ।   चाँद निकला ।
दाँत साफ़ कर ।   चाँदनी फैली ।
पाँच बाँस लाओ ।   तुम यहाँ बैठो ।

पाठ-20

त्र ज्ञ '्'

प + त्र = पत्र

त् + र = त्र, म् + र = म्र ज् + ञ = ज्ञ

ब् + र = ब्र, प् + र = प्र श् + र = श्र

पढ़ो :

पत्र इत्र चित्र मित्र शत्रु छात्र

नम्र क़ब्र चन्द्र क्रम भ्रम प्रजा

श्रम मिश्र श्रेणी आश्रम विश्राम

ज्ञान आज्ञा संज्ञा अज्ञान विज्ञान

रात हुई। चन्द्रमा निकला। विश्राम कर। विज्ञान पढ़।

ज्ञान बड़ी दौलत है। रामपुर से पत्र आया।

रब की आज्ञा मान। सबको उसकी प्रजा जान।

लिखो:

त्र त्र त्र त्र ज्ञ ज्ञ ज्ञ ज्ञ

श्र श्र श्र श्र श्र श्र श्र
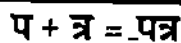
पाठ-21

संयुक्ताक्षर-I

जब कोई अक्षर आख़िर में हो तो उसे आधा इस तरह लिखा जाता है, जैसे : सत्। इसमें 'त्' आधा है । इसी तरह दूसरे अक्षरों को भी आधा लिख सकते हैं ।

बस नीचे ऐसा (्) निशान लगा दो । इस निशान को हलन्त कहते हैं ।

जैसे : आधा क = क् आधा ख = ख्
आधा ग = ग् आधा ध = ध्

बीच या शुरू में आनेवाले अक्षर इस तरह लिखे जाते हैं :

तख़्ती = तख़्ती
ख़् = ख़्
ख़् + त = ख़्त
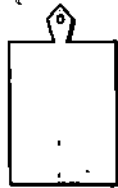
गन्ने
न् = न्
न् + न = न्न

झण्डा
ण् = ण्
ण् + ड = ण्ड

पम्प
म् = म्
म् + प + म्प

कुल्हाड़ी
ल् = ल्
ल् + ह = ल्ह

प्याली = प्याली
प् = प्
प + ् य = प्य

ठप्पा
प् = प्
प् + प = प्प

बल्ब
ल् = ल्
ल् + ब = ल्ब
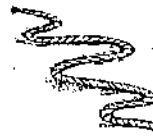
रस्सी
स् = स्
स् + स = स्स

बल्ला
ल् = ल्
ल् + ल = ल्ल
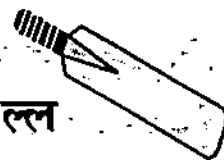
पाठ-22

संयुक्ताक्षर- II

ये अक्षर पाईवाले हैं। इनकी पाई (ा) हटाकर या इनमें हलन्त (्) लगाकर इन्हें आधा बनाते हैं। अक्षर के अंत की खड़ी लकीर 'ा' को पाई कहते हैं।

पूरा अक्षर	आधा अक्षर	शब्द	पूरा अक्षर	आधा अक्षर	शब्द	पूरा अक्षर	आधा अक्षर	शब्द
ख	ख्‍ = ख्	तख़्त	त	त्‍ = त्	पत्थर	म	म्‍ = म्	अम्मी
ग	ग्‍ = ग्	लग्गी	थ	थ्‍ = थ्	मिथ्या	य	य्‍ = य्	शय्या
घ	घ्‍ = घ्	विघ्न	ध	ध्‍ = ध्	ध्यान	ल	ल्‍ = ल्	बल्ब
च	च्‍ = च्	अच्छा	न	न्‍ = न्	गन्ना	व	व्‍ = व्	अव्वल
ज	ज्‍ = ज्	पूज्य	प	प्‍ = प्	प्याली	श	श्‍ = श्	ईश्वर
ञ	ञ्‍ = ञ्	मञ्जन	ब	ब्‍ = ब्	शब्द	ष	ष्‍ = ष्	मनुष्य
ण	ण्‍ = ण्	झण्डा	भ	भ्‍ = भ्	अभ्यास	स	स्‍ = स्	स्कूल

पढ़ो :

बच्चा सच्चा ज्वार जन्नत अन्न रत्न

इच्छा लम्बा गन्ना कष्ट अब्बा अव्वल

बल्ला बिल्ली अच्छी मुश्किल पुस्तक अल्लाह

यह बच्चा सच्चा है। अब्बा अच्छे हैं।

किसी को कष्ट न दो। मुन्ना स्कूल गया।

अल्लाह सबसे बड़ा है। पुस्तक ध्यान से पढ़।

बिल्ली दूध पी गई। यह गन्ना मीठा है।

पाठ-23

संयुक्ताक्षर-III

नीचे लिखे अक्षरों में पाई नहीं होती है । इन्हें हलन्त (्) लगाकर आधा बनाते हैं । जैसे: क् छ् ट् ठ् ड् ढ् द् फ् ह्...आदि। क और फ का आधा इस प्रकार भी बनता है —

क् = क्‍   फ् = फ्‍

लट्टू	पक्का	विद्या	दफ़्तर
ट्+ट	क् + क	द् + य	फ़् + त
कद्दू	मक्खी	लड्डू	गद्दा
द्+द	क् + ख	ड्+ड	द्+द

लिखो:

पक्का मक्का मक्खन गद्दा विद्या शक्कर

भुट्टा चक्की चिट्ठी मिट्टी **विद्या** टक्कर

मक्खी ज़िद्दी बुड्ढा गड्ढा पद्य विद्यालय

पढ़ो और लिखो:

मक्का शहर अरब में है । रब के सच्चे भक्त बनो ।

दफ़्तर का समय हुआ । विद्यालय की घंटी बजी ।

एक लड्डू उठा लो । ये अंगूर खट्टे हैं ।

चिट्ठी आई । चक्की चला । लट्टू ला ।

पाठ-24

'र' के विभिन्न रूप = ि ् ्र

ि + म + र् + च = मिर्च

ट् + क = ट्रक

र्+ च = र्च　　ट् + र = ट्र　　त् + र = त्र

र्+ य = र्य　　क् + र = क्र　　प् + र = प्र

र्+ म = र्म　　ग् + र = ग्र　　ड् + र = ड्र

पढ़ो :

गर्म ख़र्च फ़र्श मिर्च वर्ष सूर्य

सर्दी गर्मी मुर्ग़ी दर्ज़ी कुर्सी मार्च

ट्रक ड्रम ट्राम ट्रेन ट्राली ड्राइवर

क्रम ग्राम प्रकार चक्र नम्र प्रकाश

मुर्ग़े ने बाँग दी ।　　ट्रक पर मिर्च लदी है ।

सूर्य निकला, प्रकाश फैला ।　　गर्मी का मौसम है ।

ड्राइवर ट्रक चलाता है ।　　मैट्रो रेल तेज़ चलती है ।

1. चित्रों के नीचे नाम लिखो :

....

....
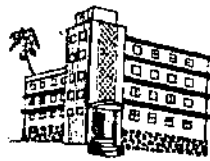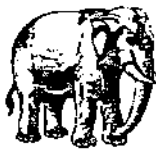
2. पढ़ो :

गन्ना ठप्पा अम्मा अब्बा गुच्छा
बच्चे सच्चे अच्छे कच्चे सिद्ध
मच्छर पत्थर शक्कर टक्कर कुल्हाड़ी

3. पढ़ो और लिखो:

अल्लाह सबका अन्नदाता है।	वह सबका स्वामी है।
यह मीठा गन्ना है।	ये खट्टे अंगूर हैं।
अच्छे बच्चे सच्चे होते हैं।	चुन्नू लड्डू खाता है।
मुन्नू लट्टू नचाता है।	गद्दा यहाँ बिछा दो।
स्कूल का द्वार बन्द है।	विद्या से बुद्धि बढ़ती है।
यह बच्चा सच्चा है।	बिल्ली दूध पी गई।
यह पुस्तक अच्छी है।	किसी को कष्ट न दो।

पाठ-25

क़ ख़ ग़ ज़ फ़
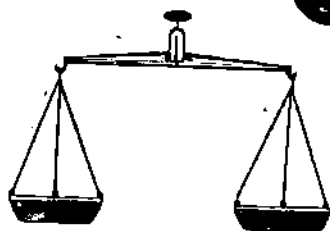
ज + ह + ा + ज़ = जहाज़

क़ → क़लम क़सम क़दम क़ुरआन वरक़ सबक़

ख़ → ख़त ख़बर ख़राब ख़ुदा शैख़ ख़ैरात

ग़ → ग़लत ग़म ग़बन ग़ुलाम चिराग़ ग़रीब

ज़ → तेज़ रोज़ा ग़ज़ल जहाज़ तराज़ू औज़ार

फ़ → फ़ातिमा शरीफ़ा सफ़र साफ़ सफ़ेद तरफ़

पढ़ो :

क़लम से लिख । क़ुरआन पढ़ । ख़त लिख ।

कागज़ मत फाड़ । आगे क़दम बढ़ा । क़लम ला ।

अख़बार पढ़ । ख़बर सुन । ग़ज़ल सुना ।

ग़लती ठीक कर । ग़म मत कर । ज़िद मत कर ।

जहाज़ उड़ा । रब के ग़ज़ब से डर ।

साँप का ज़हर ख़तरनाक है ।

ख़ुदा हम सबका मालिक है ।

शिक्षकों को निर्देश: इस पाठ को पढ़ाते समय उन अक्षरों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें, जिनपर बिन्दु (जैसेः क़ ख़ आदि) लगाए गए हैं। छात्रों को इन अक्षरों के शुद्ध उच्चारण बताएँ।

पाठ-26

अल्लाह

ज़मीन किसकी है? ज़मीन अल्लाह की है।

सूरज किसने बनाया? सूरज अल्लाह ने बनाया।

चाँद किसने चमकाया? चाँद अल्लाह ने चमकाया।

तारे किसने जगमगाए? तारे अल्लाह ने जगमगाए।

फूल किसने खिलाए? फूल अल्लाह ने खिलाए।

पेड़ किसने उगाए? पेड़ अल्लाह ने उगाए।

इसलिए

उसी अल्लाह के आगे सिर झुकाओ।

किसी दूसरे के आगे सिर न झुकाओ।

मरकर उसी के पास जाना है।

अपने कामों का हिसाब देना है।

पाठ-27

मात्राएँ

स्वर	मात्रा	शब्द			
अ		अमर	असद	अजगर	अकरम
आ	ा	आम	आज	अनार	काम
इ	ि	इमली	इत्र	दिल	निब
ई	ी	ईख	ईद	खीर	लीची
उ	ु	उस्तरा	सुबह	गुलाब	पुलाव
ऊ	ू	ऊन	ऊँट	फूल	खजूर
ए	े	एड़ी	एक	केला	मेवा
ऐ	ै	ऐनक	ऐसा	पैसा	मैना
ओ	ो	ओखली	ओस	कोट	लोटा
औ	ौ	औरत	औज़ार	नौका	कौआ
अं	ं	अंगूर	अंडा	पंखा	कंघा
अः	ः	छः	अतः	प्रातः	पुनः
ऋ	ृ	ऋषि	ऋतु	मृग	वृक्ष

पाठ-28

पढ़ो और लिखो

अ		अब
आ	ा	आरा
इ	ि	इति
ई	ी	चीनी
उ	ु	सुलताना
ऊ	ू	सूर्य
ए	े	केला
ऐ	ै	बैगन
ओ	ो	मोर
औ	ौ	नौकर
अं	ं	लंगूर
अः	ः	पुनः
ऋ	ृ	वृक्ष

पाठ-29

गिनती का गीत

एक, दो, तीन।	क़ायम करो दीन।
३, २, १,	बन जाओ नेक।
चार, पाँच, छह	सच - सच कह।
६, ५, ४,	सब से कर प्यार।
सात, आठ, नौ	रब से लगा लौ।
९, ८, ७,	बोलो सच्ची बात।
आठ, नौ, दस	रब से डर बस।
१०, ९, ८,	याद कर पाठ।

पाठ-30

बारह खड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ड़	ड़ा	ड़ि	ड़ी	ड़ु	ड़ू	ड़े	ड़ै	ड़ो	ड़ौ	ड़ं	ड़ः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ढ़	ढ़ा	ढ़ि	ढ़ी	ढ़ु	ढ़ू	ढ़े	ढ़ै	ढ़ो	ढ़ौ	ढ़ं	ढ़ः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः

थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः